पटना कलम चित्रकला शैली

बंगाल के नवाब और मुर्शिदाबाद के पतन के बाद 18वीं शताब्दी के मध्य में कारीगर पटना को स्थानांतरित हो गए, जहां वे स्थानीय अभिजात वर्ग और ईस्ट इंडिया कंपनी के संरक्षण में आए। उसके बाद इस चित्रकला का एक नया अनूठा रूप सामने आया जिसे कंपनी चित्रकला या पटना कलम के नाम से जाना जाने लगा।

मुख्य विशेषताएँ

- यह चित्रकला शैली फ़ारसी और ब्रिटिश शैलियों से प्रभावित है।
- कारीगरों ने मुगल शैली से रंगों और अस्तर को अपनाया, और ब्रिटिश शैली से छायांकन को अपनाया।
- चित्रकला में विस्तृत और उत्कृष्ट रूप से सजाए गए बॉर्डर हैं, जो पेंटिंग के विषय पर प्रमुखता से केंद्रित हैं।
- मुगल चित्रकला के विपरीत, जो अभिजात और दरबार के दृश्यों पर केंद्रित थी, पटना कलम के कारीगर आम आदमी के दैनिक जीवन से बहुत प्रभावित थे (जैसे; धोबी, कसाई का बाजार से लौटना, दर्जी, जमादार का कुत्ते के साथ संघर्ष करते हुए; आदि)।
  - ये विषय वास्तव में 'फ़रक्का' के रूप में जाने जाने वाले 'जातिगत व्यवसाय' के बहुत सरल चित्रण हैं।
- **चित्रकला के मुख्य विषय-** स्थानीय त्योहार, समारोह, बाजार के दृश्य, स्थानीय शासक और घरेलू गतिविधियाँ।
- **उपयोग की जाने वाली सामग्री-** सभी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग जैसे लाल लाह, इंडिगो, पीली मिट्टी और कोयले का उपयोग रंग बनाने के लिए किया जाता है।

        - शुरुआती दिनों में, कागज का उपयोग किया गया था, लेकिन कुछ समय बाद बांस आधारित कागज उपयोग किया जाने लगा। बाद में यूरोप में भी कागजात का उपयोग किया गया था
        - ब्रश का निर्माण गिलहरी के बाल, कबूतर के पंख, सूअर, बकरी और भैंस के बालों से होता था।
    - इसके अलावा चित्रकारी विभिन्न सतहों जैसे कागज, अभ्रक और हाथी दांत और हड्डी की सतहों आदि पर की जाती थी
- **चित्रकला के प्रकार:**
    - लघु फ़िराक़ दैनिक जीवन का चित्रण, जिसमें यूरोपीय ग्राहकों का एक बड़ा ग्राहक था, लोगों, वस्तुओं और जानवरों के चित्र।
    - विवाह और त्योहारों जैसे सामाजिक आयोजनों की लघुता।

चित्रकारी की तकनीक

- चित्रकारों ने चित्रित करने के लिए पेंसिल के बिना ब्रश का उपयोग करते थे जिसे 'कजली सीही' के रूप में जाना जाता है।
- चूंकि चित्र व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बनाए गए थे, इसलिए उनमें मुगल कला की समृद्धि का अभाव था।
- यह रोज़मर्रा के स्थानीय जीवन को दर्शाती है, बजाय इसके कि केवल अभिजात वर्ग और राजघराने से संबंधित हैं, बाद में चित्रकारों ने भी चित्रकला प्रकृति को चित्रित किया।

byjusexamprep.com